प्रारम्भिक वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

श्रावण महीना की पवित्र वेला में आहुत पंचम झारखण्ड विधान सभा के सप्तदश (मॉनसून) सत्र के शुभारंभ पर आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन और जोहार ।

माननीय सदस्यगण, 06 जनवरी 2020 की विधिक कार्यवाही के साथ शुरू हुई झारखण्ड की पंचम विधान सभा अपने कार्य के दिवस को पूरा करने की ओर अग्रसर है हमारे पिछले सत्र उपलब्धियों से भरे रहे हैं। इन सत्रों में हमने अपने कार्य और व्यवहार की द्वारा संसदीय परंपराओं को उच्चतर प्रतिमानों तक पहुँचाने का प्रयास किया है जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

माननीय सदस्यगण, सदस्यों के संभाषण की शैली और उनकी अभिव्यक्ति का ढंग विरोध और समर्थन के तरीक़े संसदीय परंपरा की दृष्टि से प्रशंसनीय रहे हैं जिस कारण जनहित के अधिकाधिक मुद्दों पर विमर्श एवं उसका निदान का मार्ग प्रशस्त हो पाया।
हमने राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता की उम्मीदों और जन आकांक्षाओं की पूर्ति करने का प्रयास किया है इस विधानसभा के कार्यकाल में जनकल्याण से विधेयकों का पारण तथा जन प्रतिनिधियों द्वारा जन समस्याओं को सदन पटल पर रखा गया।

वर्तमान सत्र के दौरान कुल छः बैठकें निर्धारित है जिसमें वर्ष 2024-25 के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी के व्यवस्थापन के अतिरिक्त सरकारी विधेयक तथा ग़ैर सरकारी संकल्प लिए जाएंगे।

माननीय सदस्यगण, झारखण्ड की जनता ने सदन के अंदर सत्ता और विपक्ष दोनों को सार्थक भूमिका निभाने का अवसर प्रदान किया है यह सत्य है, लोकतंत्र में सहमति और असहमति साथ-साथ चलते हैं जो हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था रूपी आभूषण के श्रृंगार हैं ।

पंचम विधान सभा का यह सत्र कार्य दिवसों की दृष्टि से यद्यपि छोटा है परंतु गुणात्मक रूप से इसका व्यापक महत्व है जिसके प्रत्येक क्षण का हम सदुपयोग करते हुए अपनी उत्कृष्ट भूमिका का निर्वहन करेंगे।

इन्हीं शब्दों के साथ एक बार पुनः आप सभी का अभिनंदन है।